राहत शिविरों में हो रही है बच्चों की पढ़ाई, रोजेदारों की जरूरत का भी रखा जा रहा है ख्याल

प्रशासन कर रहा है सभी आवश्यक प्रबंध

न्यायसाक्षी/रायगढ़। लॉक डाउन मे फंसे लोगों के रुकने के लिए बनाये गये राहत शिविरों मे रुके लोगों की बुनियादी सुविधाओं के साथ उनकी अन्य जरूरतों का भी ख्याल रखा जा रहा है। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में बने राहत शिविर मे बच्चों की पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था की गयी है। रमजान का महिना चालू होने पर शिविर मे रह रहे रोजेदारों के लिए भी खास इन्तेजाम किये गये हैं। शिविर मे रह रहे लोगों के मनोरंजन के लिए टी वी भी लगवाई गयी है।

धरमजयगढ़ के हाटी में बने राहत शिविर मे कई श्रमिक परिवार रुके हुए हैं। जिनमें छोटे बच्चे भी शामिल हैं। लॉक डाउन के इस कठिन समय के

बीच इन बच्चों के बौद्धिक विकास प्रक्रिया को जारी रखने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। शिविरों में ही बच्चों की पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था की गयी है। शासकीय विद्यालय में पढ़ाने वाले शिक्षक नियमित रूप से शिविर में आ कर बच्चों की पढ़ाई करवा रहे हैं। बच्चों को कॉपी-किताब और स्टेशनरी का सामान दिया गया है। बच्चों को गीत विडियो के साथ अक्षर ज्ञान, अल्फाबेट और जोड़ने घटाना जैसे गणित और भाषा के पाठ पढ़ाये जा रहे हैं। बच्चे भी पूरे उत्साह और मनोयोग से इन क्लासेज में नयी चीजे सीख लॉक डाउन के इस समय का भरपूर उपयोग कर रहे हैं।झारखण्ड के गढ़वा जिले रामपुर गाँव के सद्दाम हुसैन और सरफुद्दीन खान रायगढ़ में काम के सिलसिले मे आये हुए थे। लॉक डाउन लगने से उन्हें धरमजयगढ़ के राहत शिविर में आसरा लेना पड़ा। लॉक डाउन की मियाद खत्म होने से पहले ही रमजान का महिना चालू हो गया। रमजान में सद्दाम और सरफुद्दीन दोनों रोजा रखते हैं। जिसके लिए एक विशेष जीवनशैली का पालन करना होता है। उन्होंने इस वर्ष भी रोजा रखने की बात शिविर में तैनात अधिकारियों को बताई। जिस पर तत्काल सुबह की सहरी और शाम को रोजा खोलने के वक्त उनकी जरुरत के मुताबिक सामान उपलब्ध करवाने के इंतजाम किया गया। इसके साथ ही शिविर में रुके लोगों के मनोरंजन के लिए टी वी की व्यवस्था भी की गयी है।

महत्वपूर्ण एवं खास

शहीद जवान की पत्नी ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में दिया योगदान

रायपुर, (आरएनएस)बस्तर के शहीद जवान श्री उपेन्द्र साहू की पत्नी श्रीमती राधिका साहू ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में 10 हजार रूपए की सहयोग राशि जमा की है। शहीद जवान श्री उपेन्द्र साहू एक महीने पहले बस्तर में पूरी बहादुरी से नक्सलियों से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। शहीद की पत्नी श्रीमती राधिका साहू ने खुद बस्तर पुलिस अधीक्षक के पास जाकर यह राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष के नाम से जमा की, और कहा कि अगर आज मेरे पति होते तो वो भी यही करते। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शहीद जवान की पत्नी श्रीमती राधिका साहू के इस जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि इस सहयोग के लिए मैं निःशब्द हूं और उन्हें सलाम करता हूं।

सहभागी समाज सेवी संस्था और साहू समाज ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में दिया योगदान

रायपुर, (आरएनएस)मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की अपील पर वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण से सुरक्षा के लिए समाज का हर वर्ग स्वेच्छा से सहयोग हेतु आगे आ रहा है। इसी क्रम में सहभागी समाज सेवी संस्था के सभी सदस्यों ने एक दिन का वेतन एवं कुछ अतिरिक्त राशि के साथ कुल एक लाख रूपए और हरदिहा साहू समाज टाटीबंध, रायपुर ने 21 हजार रूपए की सहयोग राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष में प्रदान की है। प्रदेश के औद्योगिक, व्यापारिक, सामाजिक संगठनों, आम नागरिकों सहित कई लोग मदद के लिए सामने आए हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने सभी का आभार व्यक्त किया है।

महुआ बीनने गए बुजुर्ग दंपति आकाशीय बिजली गिरने से हुए घायल,

कवर्धा, (आरएनएस) कोरोना वायरस के नियंत्रण के लिए जारी लाकडाउन में लोगो को स्वाथ्य सुविधाएं और 108 एम्बुलेंस की सुविधाएं मिलने से जरूरतमंद लोगों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल कुकदूर वनांचल क्षेत्र अंतर्गत रवनगुडा के महुआ बीनने गए बुजुर्ग दंपति आकाशीय बिजली गिरने से गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। घटना की सूचना मिलने पर जे.ए.ई.एस 108 संजीवनी एक्सप्रेस के स्टाफ ने घायल दंपति का उपचार करते हुए उन्हें जल्द हॉस्पिटल पहुंचाकर दोनों की जान बचाई। मिली जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय सुखराम ध्रुव अपनी पत्नी 52 वर्षीय शांति बाई के साथ सुबह जंगल में महुआ बीनने के लिए गए थे। इसी दौरान मौसम ख़राब हो गया और दोनों आकाशीय बिजली के चपेट में आ गए। आकाशीय बिजली गिरने से दोनों बेहोश हो गए थे। घटना की सूचना परिजनों ने तत्काल 108 को दी। ईएमटी विनोद कुमार ने सूझबूझ दिखाते हुए डॉ. मनीष कुमार से ईआरसीपी की सहायता लेते हुए दोनों का इलाज करते हुए दंपति को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंडरिया में भर्ती कराया। उपचार चल रहा है।

महासमुंद में दो हजार 144 जरूरतमंदों को प्रशासन द्वारा किया गया सहयोग

महासमुंद (आरएनएस)जिला प्रशासन के आग्रह पर कोरेना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण के रोकथाम के कारण नगरीय क्षेत्र में निवासरत गरीब, मजदूर, असहाय जरूरतमंद वर्ग जिनके परिवार के पास इस समय कोरेना वायरस संक्रमण के चलते लॉकडाउन होने के कारण उन्हें जीवन-यापन करने में पेशानी हो रही है, उन सभी को खाद्य सामग्री, भोजन, राशन आदि व्यवस्थाओं में प्रशासन को सहयोग देने के लिए जिले के विभिन्न स्वयं सेवी संस्था, सामाजिक संगठन, उद्योगपति, व्यापारी, जनप्रतिनिधि सहित अन्य गणमान्य नागरिकों का समय-समय पर क्षमता अनुरूप सहयोग लगातार डेनेशन ऑन व्हील के माध्यम से मिल रहा है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री सुनील कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि 26 अप्रैल 2020 की स्थिति तक महासमुंद अनुविभाग के दानदाताओं द्वारा प्रशासन को 2555 किलोग्राम चावल, 698 किलोग्राम दाल, 757 किलोग्राम आटा, 265 किलोग्राम शक्कर, 308 किलोग्राम नमक, 787 पैकेट खाद्यान्न तेल, 819 किलोग्राम आलू, 643 किलोग्राम प्याज, 805 पैकेट हल्दी, 722 नग नहाने का साबुन, 608 नग कपड़े धोनें का साबुन तथा 88 हजार 659 रूपए दानदाताओं से नगद प्राप्त हुआ हैं। इनमें से निर्धन एवं जरूरतमंदों को 2381 किलाग्राम चावल, किलोग्राम आलू, 565 किलोग्राम प्याज, 573 पैकेट हल्दी, 585 नग नहानें का साबुन, 471 नग कपड़े धोनें का साबुन वितरित कराया जा चुका हैं।

जरूरतमंदों के लिए पॉवर ग्रीड ने बाल सदन में दिया सूखा राशन

न्यायसाक्षी/रायगढ़। लॉक डाउन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पावर ग्रिड कंपनी ने निगम आयुक्त राजेन्द्र गुप्ता एवं एसडीएम आशीष देवांगन की उपस्थिति मे बाल सदन में सूखा राशन प्रदान किया। विदित हो कि लॉकडाउन होने के बाद कई ऐसे परिवार हैं जिनकी आय बंद हो गई है,

जिसके कारण इनके सामने काफी समस्याएं खड़ी हो गई है। इसको देखते हुए बाल सदन से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के द्वारा जरूरतमंदों तक सूखा खाद्यान्न पहुंचाकर दिया जा रहा है। लॉक डाउन के प्रथम चरण में लोगों तक राशन पहुंचाया गया था। लॉकडाउन की अवधि बढ़ जाने पर इन लोगों को दोबारा सूखा खाद्यान्न दिया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर निगम आयुक्त राजेन्द्र गुप्ता एवं एसडीएम आशीष देवांगन और बाल सदन

से संचालित फूड बैंक की नोडल अधिकारी सीमा पात्रे की उपस्थिति में पावरग्रीड कंपनी के अधिकारियों की उपस्थिति में कंपनी की ओर से 20 क्विंटल चावल, 4 क्विंटल दाल, 400 किलो प्याज, 200 किलो आलू, 400 लीटर रिफाइण्ड सोयाबीन तेल, 500 ग्राम के कुल 200 नमक पैकेट दिया गया।

जिला पंचायत रायगढ़ के गठित स्थायी समितियों के सभापति के निर्वाचन हेतु सम्मिलन 8 मई का

रायगढ़, (आरएनएस) छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम की धारा के साथ पठित छत्तीसगढ़ जनपद तथा जिला पंचायत स्थायी समितियां (सदस्यों का निर्वाचन उनकी शक्तियां और कृत्य तथा सदस्यों का कार्यकाल और कामकाज के संचालन की प्रक्रिया)के तहत रायगढ़ जिला पंचायत के गठित स्थायी समितियां अंतर्गत स्वच्छता समिति, वन एवं पर्यावरण समिति, स्वास्थ्य एवं महिला बाल कल्याण समिति, सहकारिता एवं उद्योग समिति, संचार संकर्म समिति एवं कृषि समिति के सभापति है ।

जिले में 46273 घरों का एक्टिव सर्वेलेंस पूर्ण

जिले में अन्य राच्यों से आये 6527 में से 748 यात्री होम आईसोलेशन में , आज तक कोई भी कोरोना के पाजिटिव मरीज नहीं ,स्वास्थ्य विभाग कर रहा है इनकी नियमित मॉनिटरिंग

न्यायसाक्षी/रायगढ़। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 01 जनवरी 2020 के बाद विदेशों से कुल 214 यात्री आये हैं जिसमें से 214 यात्रियों का होम आईसोलेशन एवं क्वारेंटाईन की अवधि 28 दिवस पूर्ण हो चुका है।

जिले में अन्य राच्य से अब तक कुल 6527 यात्री आये हैं जिसमें से 5779 यात्रियों का होम आईसोलेशन की अवधि 28 दिवस पूर्ण हो चुका है। शेष 748 यात्रियों को होम आईसोलेशन में रखा गया है एवं सतत् निगरानी की जा रही है। जिले में कुल 445 व्यक्तियों का सेम्पल संग्रहण कर जांच हेतु भेजा गया है। जिसमें से 339 व्यक्तियों का रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुआ है। शेष 115 का रिपोर्ट अप्राप्त है। वर्तमान में जिले में किसी भी व्यक्ति में कोविड-19 बीमारी के लक्षण नहीं पाये गये है एवं आज दिनांक तक कोई भी कोविड-19 के पॉजिटीव मरीज नहीं है।

10 मार्च के बाद प्रभावित अन्य राच्यों से आए 1425 व्यक्तियों का शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में एक्टिव सर्वेलेंस किया जा रहा है। अब तक कुल 46273 घरों का सर्वे पूर्ण कर लिया गया। सर्दी-खांसी व बुखार के लक्षण वाले को चिन्हांकित कर सूची तैयार की जा रही है। कोरबा व कटघोरा से आने वाले व्यक्तियों को होम क्वारेंटाईन में रखकर प्रतिदिन स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है आवश्यकता पड़ने पर सैम्पल लिया जावेगा।

सूचना मिलते ही लखनऊ में फंसे श्रमिकों के लिए तत्काल हुई राशन सामग्री की व्यवस्था

रायपुर, (आरएनएस) कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए घोषित लॉकडाउन से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण छत्तीसगढ़ के लखनऊ में फंसे श्रमिकों के लिए सूचना मिलते ही संबंधित राज्य के अधिकारियों से त्वरित समन्वय कर तत्कालिक व्यवस्था के रूप में राशन सामग्री की व्यवस्था कराई गई है। वर्तमान में सभी श्रमिक सुरक्षित है तथा छत्तीसगढ़ श्रम विभाग के अधिकारियों द्वारा श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, राशन, रहने-खाने आदि के संबंध में सतत निगरानी रखी जा रही है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के बिलासपुर और मुंगेली जिले के श्रमिक लॉकडाउन के कारण उत्तरप्रदेश में फंसे हुए हैं। श्रमिकों का यह परिवार ईट-भट्ठा में काम करने गए हुए थे। श्रमिकों द्वारा राज्य शासन के हेल्पलाईन नंबर तथा अन्य संपर्क सूत्रों के माध्यम से सूचना दी गई थी कि उन्हें खाने-पीने की समस्या हो रही थी।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया के निर्देशन पर लॉकडाउन के कारण छत्तीसगढ़ से बाहर देश के अन्य राज्यों में फंसे राज्य के श्रमिकों को भोजन, राशन, रहने-खाने तथा चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। श्रम विभाग के सचिव एवं नोडल अधिकारी श्री सोनमणी बोरा के मार्गदर्शन में अन्य राज्यों में फंसे श्रमिकों के संबंध में विभिन्न माध्यमों एवं संपर्क सूत्रों से जानकारी प्राप्त होने पर उनके लिए तत्काल भोजन, राशन, रहने-खाने आदि की व्यवस्था जुटाई जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि लखनऊ में श्रमिकों को तत्कालिक व्यवस्था के रूप में चावल, आटा, दाल, आलू सहित हल्दी, मिर्च, नमक तथा अन्य राशन सामग्री श्रम कार्यालय लखनऊ के माध्यम से प्रदान की गई है।

ग्रामीणों से आवास, पेंशन स्वीकृत कराने के नाम से राशि की मांग करने वाले ग्राम पंचायत सचिव निलंबित

न्यायसाक्षी/रायगढ़। जिला पंचायत रायगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री ग चा प्रकाश चौधरी ने जनपद पंचायत बरमकेला ग्राम पंचायत कंचनपुर-ब के ग्राम पंचायत सचिव श्री मंगलदास रात्रे को ग्राम पंचायत में नशे की हालत में रहने एवं ग्रामीणों से आवास, पेंशन स्वीकृत कराने के नाम से राशि की मांग करने एवं मकान टैक्स की राशि वसूल कर स्वयं के व्यय में खर्च करने तथा उगााधिकारियों के आदेश का पालन नहीं करने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत बरमकेला निर्धारित किया गया है तथा निलंबन अवधि में उसे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

राज्य में आज एक लाख 12 हजार जरूरतमंदों को मिला भोजन व खाद्यान्न 82 हजार 734 को मास्क और सेनेटाईजर वितरित

रायपुर, (आरएनएस) मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप राज्य के सभी जिलों में गरीबों, अन्य स्थानों के श्रमिकों एवं निराश्रित लोगों को निःशुल्क भोजन व खाद्यान्न पैकेट उपलब्ध कराए जाने का सिलसिला जारी है। कोरोना संक्रमण के कारण लॉकडाउन के चलते जरूरतमंदों की मदद के लिए राज्य भर में जगह-जगह लगाए गए राहत शिविरों में 29 अप्रैल को एक लाख 12 हजार 501 जरूरतमंदों, श्रमिकों एवं निराश्रितों को निःशुल्क भोजन व खाद्यान्न पैकेट उपलब्ध कराया गया। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए मास्क, सेनेटाइजर एवं दैनिक जरूरत का सामान भी जिला प्रशासन, रेडक्रॉस तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की सहयोग से जरूरतमंदों को लगातार मुहैया कराया जा रहा हैं। जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल को स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से 82 हजार 734 मास्क एवं सेनेटाईजर, साबुन आदि का वितरण जरूरतमंदों को किया गया हैं। यह उल्लेखनीय है कि जिलों में प्रशासन द्वारा समाजसेवी संस्थाओं एवं दानदाताओं के सहयोग से संचालित राहत शिविरों के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य में अब तक 51 लाख 16 हजार 180 लोगों को निःशुल्क भोजन एवं खाद्यान्न पैकेट उपलब्ध कराया गया है। स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से कोरोना संक्रमण के बचाव के लिए 42 लाख 32 हजार 145 मास्क सेनेटाईजर एवं अन्य सामग्री का निःशुल्क वितरण जन सामान्य को किया गया है। प्रदेश में 29 अप्रैल को जिलों में एक लाख 12 हजार 501 लोगों को निःशुल्क भोजन एवं राशन उपलब्ध कराने के साथ ही 82 हजार 734 लोगों को आवश्यक मदद, मास्क, सेनेटाईजर, साबुन आदि का वितरण किया गया है। शासन एवं समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से आज दंतेवाड़ा जिले में सर्वाधिक 49 हजार 11 लोगों को निःशुल्क भोजन एवं राशन प्रदाय किए जाने के साथ ही उन्हें कोरोना संक्रामक बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए मास्क एवं अन्य सामाग्री का वितरण किया गया है। इसी तरह सुकमा जिले में 1340, राजनांदगांव में 5154, रायगढ़ 4013, बस्तर में 10,280, कांकेर में 8138, बीजापुर में 642, जशपुर में 3004, कोरिया में 687, सूरजपुर में 721, बालोद में 133, कबीरधाम में 1638, बलौदाबाजार में 1373, धमतरी में 1387, महासमुंद में 756, बलरामपुर में 11,103, दुर्ग में 10,454, सरगुजा में 393, जांजगीर-चांपा में 26,946, बिलासपुर में 4287, रायपुर में 21,802 कोण्डागांव में 1043, बेमेतरा में 240, गरियाबंद में 2170, मुंगेली में 24,417 तथा गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1782 जरूरतमंदों राशन एवं अन्य सहायता उपलब्ध करायी गई हैं।

कोटा में फंसे बच्चों को लेकर वापिस पहुंची बसें

बच्चों को अपने गृह जिले से बाहर अन्य जिलों में किया जा रहा है क्वारेन्टीन,जशपुर जिले के बच्चों को रोका गया है रायगढ़ में

न्यायसाक्षी/रायगढ़। 2020/ लॉक डाउन के बीच कोटा में अध्यनरत छत्तीसगढ़ के बच्चों को लेकर 26 अप्रैल को निकली बसें वापिस लौट रही हैं। बच्चों को संभागवार अलग-अलग बसों में वापिस लाया गया है। इन बच्चों को अपने गृह जिले के अतिरिक्त अन्य जिलों में क्वारेन्टीन किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिली जानकारी अनुसार रायगढ़ में जशपुर जिले के 55 बच्चों को रोका जाना है। खबर लिखे जाने तक 30 बच्चों को लेकर 2 बसें रायगढ़ पहुंच चुकी हैं। यहां पहुंचने पर सबसे पहले स्वास्थ्य विभाग की 5 सदस्यीय 4 टीमों ने ईडन गार्डन मैरीज पैलेस में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बगों की कोरोना रेपिड टेस्ट की जांच की गई। जिसमें सभी 30 बगों के रिपोर्ट नेगेटिव आये। जांच के बाद इन बच्चों को भूपदेवपुर स्थित नवोदय विद्यालय में बनाये गए क्वारेन्टीन सेंटर में 14 दिनों तक रखा जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी द्वारा मिली जानकारी के अनुसार क्वारेन्टीन अवधि पूर्ण करने पश्चात पुनः स्वास्थ्य जांच करने के उपरांत ही बगों को अपने घर जाने की अनुमति दी जाएगी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सुश्री गचा प्रकाश चौधरी, सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केसरी, सीएसपी श्री अविनाश ठाकुर पुलिस विभाग की कोरोना यूनिट के साथ मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com RNI NO :- CHHHIN/2018/76480